REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 1 | OCTOBER - 2018

कामठी में स्थित झुग्गी-झोपडियों में रहने वाली महिलाओं की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिती का अध्ययन

प्रा. डॉ. इफ्तेखार आर हुसैन
सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज,कामठी, जिला नागपुर.

सारांश

प्रस्तुत शोध प्रबंध का विषय चुना गया है. कामठी में स्थिती झुग्गी-झोपडीयों में रहने वाली महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं का अध्ययन संदर्भ २० ते ४० साल की महिलायें है. ये अध्ययन क्षेत्र है इस क्षेत्र में झुग्गी झोपडी अविकसित क्षेत्र है. इस क्षेत्र में वास्तव मे आने वाली परिवार की संख्या दिनों दिन बढती जा रही हे तथा प्रवासी व दूसरे जगह से आये लोग वहां आने से वहा की निश्चित कितने परिवार उसमें कितनी महिला निवास करती है उसके आंकडों का हिसाब कहीं भी नही है व वैसी ही माहिती ये भी उपलब्ध हो नही सकी है. इसी कारण से यहां प्रस्तुत अध्ययन के लिये सुविधाजनक नमुना चुनाव पद्धती का उपयोग करके उत्तरदाता का चुनाव किया है.

प्रस्तावना

भारत में प्राचीन काल से स्त्रियों की पहचान एक शक्ति के रूप में की जाती है, संपूर्ण जगत का निर्माण ईश्वर ने की है. उसमें धर्म, लिंग, वंश, परंपरा इसके आधार पर मानव समाज ने विविधता को जन्म दिया है. उसमें गरीब, अमीर, स्त्री, पुरूष ऐसा भेद निर्माण किया है. भारतीय संस्कशति में स्त्री शक्ति के रूप में पुजा की जाती है. कहां दुर्गा और कहां काली नाम अगर अलग हुये तो क्या फिर भी वह एक ही और वे पुज्यनीय है. परंतु आज उन स्त्रियों को लिंग भेद के अंतर्गत पुरूषों की तुलना में स्त्रिया को निम्न दर्जा दिया जाता है व उनकें शारिरीक, मानसिक छल किया जाता है. और उनकों अपनी शक्ति अपना पराक्रम ओर साहस दिखाने का मौका मिलना चाहिए. फिर क्या कारण है कि स्त्रियां कमजोर की श्रेणी में आती है. कारण यही है कि ये पुयष प्रधान देश है और इस पुरूष प्रधान समाज में स्त्रियों को हमेशा ही आगे जाने के लिए अपनी बुद्धिमत्ता को प्रकट करने में अडचन निर्माझा की जाती है. इसी कारण उनकों लगता है कि अपना महत्व कम हो जायेगा क्या? महिलाओं को रसोई व बच्चें सभांलते हुये ही देखा गया है. जब हमारा देश गुलाम था उस समय ये सभी बातें सही थी मगर स्वत्रंता मिलने के

बाद भी यही देखने को मिलता है तो इससे बडे आश्चर्य की बात हमारे लिये क्या होगी?

आज भी श्रमिक वर्ग में महिलाओं की अपेक्षा स्त्रियों की मजदूरी कम है एक ही काम करते हुये भी दोनों की मजदूरी में फर्क होता है. पुरूषों को अधिक व स्त्रियों को कम क्यो? ये प्रश्न हमेशा ही रहता है. स्त्री और पुरूष समाज के एक ही घटक है. समाज में दोनों को समाज में एक जैसा सीन मिलना चाहिए और यही उनका हक भी है. परंतु ये केवल पुसाकों तक ही सिमित होता है. वर्तमान समय में यह दिखाई नही आता है. स्त्रियों को आत्मपोषण के अलावा अपने परिवाार के आर्थिक पोषण के लिए मदत करने यह पुरूषों के साथ स्त्रियों की दृशष्टि से भी महत्वपूर्ण होता है. आज की स्थिती तो ऐसी है कि बहुत सी स्त्रिया स्वयं का पालन पोषण करने के साथ समाज में उत्पन्न होने वाली समस्यायें जैसे आर्थिक मंदी, बढती महंगाई इन सभी समस्याओं का सामना बडी आसानी से किया है और इसी कारण उन्हें बहुत यश मिला है और शिक्षा के लिए जगह भी.

परंतु आज परिस्थिती बदल गई है. स्त्री भी हाथ पर हाथ रखकर बैठ नही सकती है उसका प्रयास शुरू हो गया है. पहले तो स्वयं के जीवन में बदलाव लायेगी जिससे उसे स्वतंत्रता मिले और परालंबी जीवन से मुक्ति मिले. उस दिन वह हिम्मत करेगी की मै जीवन जी सकती हूं इसकी वजह से वह सौ गुण अच्छी जिंदगी वह अपनी बच्ची को दे सकें.

महिलाओं का पीछे रहने का कारण उन्हें प्रत्येक बात पर पुरूषों की तुलना में दुसरा स्थान दिया जाता है. आज हम कहते है कि भारीतय समाज बदल रहा है. पुराने रीतिरिवाज, परंपरा ये बदल रही है. परंतु अब भी पुरानी परंपरा प्रभावी है. उसका वर्चस्व आज भी है. तब भी महिलाओं के साथ वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है. जैसा पहले किया जाता था. आज भी चारों तरफ से सामाजिक मान्यताओं की लक्ष्मण रेखा खींच दी जाती है जिसे पार करना एक महिला के लिये बहुत ही कठिन हो जाता है. केंद्र सरकार द्वारा लडकियों की मुफत शिक्षण देने का संकल्प केवल एक लडकी को शिक्षित करना ही नही. परंतु यह सत्य है कि अगर एक लडकी शिक्षित हुई तो उसका पुरा परिवार शिक्षित होगा.

सारणी क्रमाक १: उत्तरदाता की निवास का वर्णन दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	स्वयं का	३७	७४%
२.	स्वयं का	०३	६%
३.	अन्य	१०	२०%
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी पर से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाताओं में महिलाओं का स्वयं के घर की संख्या ३७ है शेकडा प्रमाण ७४ है, महिलाओं के किरायें के घर की संख्या ०३ है शेकडा प्रमाण ०६ है, अन्य महिलाओं के घर की अन्य संख्या १० है तथा शेकडा प्रमाण २० है.

सारणी क्रमाक २: उत्तरदाता के घर का वर्णन दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	मिट्टी का (कच्चा)	१५	३०%
२.	मिट्टी और ईट का (कच्चा)	१४	२८%
३.	ईट/सिमेंट का (पक्का)	११	२२%
४.	अन्य प्रकार का	१०	२०%
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी पर से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाताओं मे महिलाओं का घर मिट्टी का कच्चा है जिसकी संख्या १५ है शेकडा प्रमाण ३० है, महिलाओं का घर ईट का कच्चा है जिसकी संख्या १४ है शेकडा प्रमाण २८ है, महिलाओं का घर ईट/सिमेंट का पक्का है जिसकी संख्या ११ है शेकडा प्रमाण २२ है तथा अन्य प्रमार के घर भी है तथा उनकी संख्या १० है तथा शेकडा प्रमाण २० है.

सारणी क्रमाक ३: उत्तरदाता के घर में शिक्षित सदस्यों की संख्या का वर्णन दर्शाने वाली

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	एक	२०	४०%
२.	दो	१५	३०%
३.	तीन व तीन से अधिक	१०	२०%
४.	लागू नही	**०६**	**१०%**
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या एक है तथा उसकी वारंवारीता २० है शेकडा प्रमाण ४० है, उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या दो है तथा उसकी वारंवारीता १५ है शेकडा प्रमाण ३० है, तथा उत्तरदाताओं के घर में बच्चो संख्या तीन व तीन से अधिक है तथा उसकी वारंवारिता १० है तथा उसका शेकडा प्रमाण २० है. तथा उत्तरदाता का शिक्षित होना लागू भी नही है. जिसकी संख्या पांच है तथा शेकडा प्रमाण १० है.

सारणी क्रमाक ४: उत्तरदाता के घर में अशिक्षित सदस्यों की संख्या का वर्णन दर्शाने वाली

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	एक	३०	६०%
२.	छो	१२	२४%
३.	तीन व तीन से अधिक	०५	१०%
४.	लागू नही	**०३**	**०६%**
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या एक है तथा उसकी वारंवारीता ३० है शेकडा प्रमाण ६० है, उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या दो है तथा उसकी वारंवारीता १२ है शेकडा प्रमाण २४ है, तथा उत्तरदाताओं के घर में बच्चो संख्या तीन व तीन से अधिक है तथा उसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका शेकडा प्रमाण ०० है. तथा उत्तरदाता का शिक्षित होना लागू भी नही है. जिसकी संख्या तीन है तथा शेकडा प्रमाण ०६ है.

सारणी क्रमाक ५: उत्तरदाता के घर में सुविधायें दर्शाने वाली संख्या दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	बिजली	१०	२०%
२.	शौचालय	०२	०४%
३.	पानी	०५	१०%
४.	बिजली तथा पानी	०५	१०%
५.	बिजली तथा शौचालय	१०	२०%
६.	शौचालय तथा पानी	१०	२०%
७.	सभी	०५	१०%
८.	लागू नहीं	०३	०६%
	एकूण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाता के घर में बिजली की सुविधा है जिसकी वारंवारीता १० है तथा प्रतिशत के हिसाब से १० है उसी प्रकार शौचालय की सुविधा भी है जिसकी वारंवारीता ०२ है तथा उसका प्रतिशत ०४ है, पानी की सुविधा की वारंवारीता ०५ है तथा उसका प्रतिशत है १० है, घर में बिजली तथा पानी की सुविधा है उसकी वारंवारीता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है, बिजली तथा शौचालय की सुविधा की वारंवारिता १० है तथा उसका प्रतिशत २० है, उसी प्रकार उत्तरदाता के घर में शौचालय तथा पानी की सुविधा वारंवारिता १० है तथा उसका प्रतिशत भी २० है, कुछ उत्तरदाता के घर में सभी सुविधायें है तथा कुछ उत्तरदाता के घर पर उपरोक्त सुविधायें लागू नही है.

सारणी क्रमाक ६: उत्तरदाता झुग्गी झोपडीयों के बारे में मत दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	अच्छा	२०	४०%
२.	बुरा	२०	४०%
३.	साधारण	१०	२०%
	एकुण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी से ऐसा देखने में आया है कि कुल ५० उत्तरदाता है जिन झुग्गी झोपडियों में रहते है उसके बारे में कुछ उत्तरदाताओं का मत अच्छा था जिसकी वारंवारिता २० है तथा उसका प्रतिशत ४० है, कुछ उत्तरदाताओं का मत बुरा था जिसकी वारंवारीता भी २० है तथा उसका प्रतिशत भी ४० है, उसी प्रकार कुछ उत्तरदाताओं का मत साधारण था उसकी वारंवारीता १० है तथा उसका प्रतिशत २० है.

सारणी क्रमाक ७: उत्तरदाता की सामाजिक स्थिती को दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारता	प्रतिशत
१.	अच्छा	३३	६६%
२.	बुरा	१२	२४%
३.	साधारण	०५	१०%
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनकी समाज में सामाजिक स्थिती अच्छी है तथा उसकी वारंवारिता ३३ है व प्रतिशत ६६ है, समाज में स्थिती बुरी है जिसकी वारंवारिता १२ है तथा उसका प्रतिशत २४ है उसी प्रकार उत्तरदाता की समाज में सामाजिक स्थिती साधारण है तथा उसाकी वारंवारिता ५ है तथा उसका प्रतिशत १० है

सारणी क्रमांक ८: उत्तरदाता की मासिक आय दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	**विवरण**	**वारंवारीता**	**प्रतिशत**
१.	रू. ५०० से ७०० रू.	०५	१०%
२.	रू. ८०० से १००० रू.	०५	१०%
३.	रू. १००० से १५०० रू.	१५	३०%
४.	रू. १६०० से २००० रू.	१५	३०%
५.	रू. २००० से अधिक	१०	२०%
	एकुण	**५०**	**१००%**

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनकी मासिक आय के बारे में पुछा गया तो कुछ उत्तरदाता ने रू. ५०० से ७०० रू. तक बताया जिसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है, उसी प्रकार कुछ अन्य उत्तरदाता से उनकी मासिक आय के बारे में पुछा तो उन्होंने रू. ८०० से १००० रू. है जिसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है, कुछ उत्तरदाता से उनकी मासिक आय के बारे में पुछा तो उन्होंने बताया रू. १००० से १५०० रू. है तथा उसकी वारंवारिता १५ है तथा उसका प्रतिशत ३० है, कुछ उत्तरदाता से पुछने पर उन्होंने अपनी मासिक आय रू. १६०० से २००० रू. तथा उसकी वारंवारिता १५ है तथा उसका प्रतिशत ३० है, तथा अन्य उत्तरदाता से उनकी मासिक

आय पुछी गई तो उन्होंने रू. २००० से अधिक है तथा उसकी वारंवारिता १० है तथा उसका प्रतिशत २० है.

सारणी क्रमांक ९:उत्तरदाता की वार्षिक आय दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारीता	प्रतिशत
१.	रू. २०००/–	०५	१०%
२.	रू. २५०० से ५००० रू.	०५	१०%
३.	रू. ५००१ से ७५०० रू.	१५	३०%
४.	रू. ७५०१ से १०,००० रू.	१०	२०%
५.	रू. १०००१ से १२५०० रू.	१०	२०%
६.	रू. १५००१ से अधिक	०५	१०%
	एकुण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनकी मासिक आय के बारे में पुछा गया तो कुछ उत्तरदाता ने रू. २०००/– रू. तक बताया जिसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है, उसी प्रकार कुछ अन्य उत्तरदाता से उनकी मासिक आय के बारे में पुछा तो उन्होंने रू. २५०० से ५००० रू. है जिसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है, कुछ उत्तरदाता से उनकी मासिक आय के बारे में पुछा तो उन्होंने बताया रू. ५००१ से ७५०० रू. है तथा उसकी वारंवारिता १५ है तथा उसका प्रतिशत ३० है, कुछ उत्तरदाता से पुछने पर उन्होंने अपनी मासिक आय रू. ७५०१ से १०,००० रू. तथा उसकी वारंवारिता १५ है तथा उसका प्रतिशत ३० है, तथा अन्य उत्तरदाता से उनकी मासिक आय पुछी गई तो उन्होंने रू १५००१ से अधिक है तथा उसकी वारंवारिता ०५ है तथा उसका प्रतिशत १० है.

सारणी क्रमांक १०: उत्तरदाता के परिवार का वार्षिक खर्च दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारीता	प्रतिशत
१.	रू. २५०० से २०,००० रू.	१०	२०%
२.	रू. २६०० से ५००० रू.	१०	२०%
३.	रू. ५००० रू.	३०	६०%
	एकुण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनके परिवार का वार्षिक खर्च पुछने पर उन्होंने जवाब दिया की रू. २५०० से २०,००० रू. है तथा उसकी वारंवारिता १० तथा उसका प्रतिशत २० है, उसी प्रकार दूसरे उत्तरदाता से उनके परिवार का वार्षिक खर्च रू. २६०० से ५००० रू. है तथा उसकी

वारंवारिता १० तथा उसका प्रतिशत २० है, उसी प्रकार कुछ उत्तरदाताओं से उनके परिवार की वार्षिक खर्च पुछने पर उन्होंने बताया रू. ५००० रू है तथा उसकी वारंवारिता ३० तथा उसका प्रतिशत ६० है.

सारणी क्रमांक ११: उत्तरदाता के परिवार की वार्षिक बचत दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारीता	प्रतिशत
१.	रू. २०००/–	१५	३०%
२.	रू. २००१ से ३००० रू.	०५	१०%
३.	रू. ३००१ से ४००० रू.	०५	१०%
४.	रू ४००० से ज्यादा	०५	१०%
५.	लागू नही	२०	४०%
	एकुण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनके परिवार का वार्षिक बचत पुछने पर उन्होंने जवाब दिया की रू. २००० से है तथा उसकी वारंवारिता १५ तथा उसका प्रतिशत ३० है, उसी प्रकार दूसरे उत्तरदाता से उनके परिवार का वार्षिक बचत रू. २००१ से ३००० रू. है तथा उसकी वारंवारिता ०५ तथा उसका प्रतिशत १० है, उसी प्रकार कुछ उत्तरदाताओं से उनके परिवार की वार्षिक बचत पुछने पर उन्होंने बताया रू. ३००१ से ४०००/– रू. है तथा उसकी वारंवारिता ०५ तथा उसका प्रतिशत १० है उसी प्रकार कुछ उत्तरदाता से उनके परिवार की वार्षिक बचत पुछने पर उन्होंने ४०००/– से ज्यादा बतायी है जिसकी वारंवारिता ०५ तथा उसका प्रतिशत १० है, तथा कुछ अन्य उत्तरदाता को लागू नही होता तथा उसकी वारंवारिता २० है तथा उसका प्रतिशत ४० है.

सारणी क्रमांक १२: उत्तरदाता की आर्थिक स्थिती दर्शाने वाली सारणी

अ. क्र.	विवरण	वारंवारीता	प्रतिशत
१.	अच्छी	१०	३०%
२.	बुरी	३५	३०%
३.	साधारण	५	४०%
	एकुण	५०	१००%

उपरोक्त सारणी में कुल ५० उत्तरदाता है जिनके परिवार की आर्थिक स्थिती अच्छी है जिसकी वारंवारिता १० है तथा उसका प्रतिशत २० है, उसी प्रकार दूसरे उत्तरदाता से उनके परिवार की आर्थिक स्थिती के बारे में पुछा गया तो उन्होनें कहा कि उनकी आर्थिक स्थिती बुरी है जिसकी वारंवारिता ३५ तथा उसका प्रतिशत ७० है, उसी प्रकार कुछ उत्तरदाताओं से उनके परिवार की आर्थिक स्थिती के बारे में पुछा गया तो उन्होंने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिती बुरी है जिसकी वारंवारिता ३५ तथा उसका प्रतिशत ७० है. उसी प्रकार कुछ अन्य उत्तरदाता से उनके परिवार की आर्थिक स्थिती के बारे में पुछा

गया तो उन्होंने कहा की उनकी आर्थिक स्थिती साधारण है जिसकी वारंवारिता ५ तथा उसका प्रतिशत १० है.

निष्कर्ष

- ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का स्वयं के घर की संख्या ३७ है शेकडा प्रमाण ७४ है.
- ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का घर मिट्टी का कच्चा है जिसकी संख्या १५ है शेकडा प्रमाण ३० है.
- ज्यादा से ज्यादा में उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या एक है तथा उसकी वारंवारिता २० है शेकडा प्रमाण ४० है.
- ज्यादा से ज्यादा में उत्तरदाताओं के घर में बच्चो की संख्या एक है तथा उसकी वारंवारिता ३० है शेकडा प्रमाण ६० है
- ज्यादा से ज्यादा उत्तरदाताओं का मत अच्छा था जिसकी वारंवारित २० है तथा उसका प्रतिशत ४० है.
- ज्यादा से ज्यादा समाज में स्थिती अच्छी है जिसकी वारंवारिता ३३ है तथा उसका प्रतिशत ६६ है.
- ज्यादा से ज्यादा उत्तरदाताओं का खर्च ५००० रू. है तथा उसकी वारंवारिता ३० तथा उसका प्रतिशत ६० है.
- ज्यादा से ज्यादा उत्तरदाता को लागू नहीं होता तथा उसकी वारंवारिता २० है तथा उसका प्रतिशत ४० है.

संदर्भ ग्रंथ-सुचि:-

१. डॉ. मुखर्जी रविन्द्रनाथ -सामाजिक सर्वेक्षण व सामाजिक शोध (विवेक प्रकाशन,जवाहरनगर,दिल्ली १९८८)
२. डॉ. भांडारकर बु. ल. - सामाजिक संशोधन पद्धती (महाराष्ट्र विद्यापीठ ग्रंथ निर्मिती मंडल, सदर, नागपूर १९७३)
३. माइन्स एक्ट १९५२ - (इस्टर्न बुक कंपनी ३४, लालबाग, लखनऊ-१)
४. ममेरिया सी.बी - सेवीवर्ग प्रबंध एवं औद्योगिक संबंध (आगरा साहित्य भवन)
५. मॉयल हाऊस ऑफ जनरल इंटरनेट
६. पहाडिया बी. एम - आधारभूत समाजशास्त्रीय अवधारणाऍं (विद्या भवन, इंदौर १९९१-९२)
७. रस्तोनी के. कें - श्रम समस्याऍं एवं समाज कल्याण (संजीव प्रकाशन, मेरठ)
८. शर्मा रमेशचंद्र - श्रम समस्याऍं एवं समाज कल्याण (विद्या प्रकाशन, कानपूर १९८७)
९. तिलारा कुंवर सिंह- सामाजिक अनुसंधान सर्वेक्षण और सांख्यिकी प्रकाशन केंद्र, लखनऊ-२०

१०.वाजपेयी एस. आर.– सामाजिक अनुसंधान तथा सर्वेक्षण, कानपुर किताब महल